NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH

aglasem.com

Class: 6th

Subject : हिन्दी

Chapter : 11

Chapter Name : जो देखकर भी नही देखते

Q1 जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं-हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था?

Answer. जैसे जैसे लोग प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करते जाते हैं वैसे वैसे लोग उनकी प्रति संवेदनशीलता खत्म होती चली जाती है। कुछ लोग होते हैं जो उनके प्रति कृतज्ञ बने रहते हैं। लोग जब एक ही चीज़ को बार बार देखते रहने के बाद उनकी दिल्चस्पी खत्म हो जाती है। वह उन चीज़ों के प्रति आभार व्यक्त नही करते जो ईश्वर से मिली है।

Page : 82, Block Name : निबंध से

Q2 प्रकृति का जादू’ किसे कहा गया है?

Answer. प्रकृति अपने आप में एक जादू की तरह है, प्रकृति की तरह तरह की भंगिमाओं को देख कर लोग अचंभे से रह जाते है। प्रकृति में कदम कदम पर जादू का अनुभव किया जा सकता है। वह जैसे अपने ओर आकर्षित करती है। प्राकृतिक विविधता अपने मनमोहक रूप को हमारे सामने दिल खोल कर प्रदर्शित करती है और हम भी वैसे ही हम भी होते हैं। इसमे यहाँ इस पाठ में प्रकृति का जादू में फूलों का खिलना , घुमावदार पेड़, पेड़ो पे कान लगाते ही पक्षियों का उड़ जाना आदि से है।

Page : 82, Block Name : निबंध से

Q3 ‘कुछ खास तो नहीं’–हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों नहीं हुआ?

Answer. लेखिका ने अपने मित्र से ,जो अभी अभी जंगल से घूम के आया था, उससे पूछा था कि क्या क्या देखा आपने वहाँ तो उसके दोस्त ने जवाब दिया , कुव्ह खास नही।इसको बताते हुए लेखिका ये कहती है कि आज कल लोग देख कर भी कुछ नही देखते। लेखिका का तात्पर्य यहाँ संवेदनशीलता के मर जाने से है। आज कल लोग प्रकृति के प्रति असंवेदनशील होते जा रहे हैं। लेखिका को इसिलए ज्यादा आश्चर्य नही हुआ, क्योंकि वह ये बात जानती थी।

Page : 82, Block Name : निबंध से

Q4 हेलेन केलर प्रकृति की किन चीज़ों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं? पाठ के आधार पर इसका उत्तर लिखो।

Answer. लेखिका प्राकृतिक चीज़ों को छू कर बता सकती कि क्या चीज़ है। जैसे फूलों की मखमली सतह को छू कर और घुमावदार बनावट महसूस करने में, भोज पत्र, टहनियों में नई कलियाँ, को छू कर महसूस कर पहचान लेती थी।

aglasem.com

Page : 82, Block Name : निबंध से

Q5 'जबकि इस नियामत से जिंदगी को खुशियों के इंद्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है'। -तुम्हारी नज़र में इसका क्या अर्थ हो सकता है?

Answer. लेखिका अपने महसूस करने की क्षमता और सुनने की क्षमता भर से इतनी चीज़ों का ओलता लगा लेती है सोच लेती,है समझ, लेती है तो जिनके पास आँखे होती हैं वो क्या क्या नही कर सकते। पर लोग उतने ही अमानवीय व्यवहार करते हुए दिखाई देते हैं यही चिंता लेखिका को सता रही है।

Page : 82, Block Name : निबंध से

Q1 आज तुमने घर से आते हुए बारीकी से क्या-क्या देखा-सुना? मित्रों के साथ सामूहिक चर्चा करो।

Answer. आप स्वयं करें।

Page : 83, Block Name : निबंध से

Q2 कान से न सुन पाने पर आस-पास की दुनिया कैसी लगती होगी? इस पर टिप्पणी लिखो और कक्षा में पढ़कर सुनाओ।

Answer. आप स्वयं करें।

Page : 83, Block Name : निबंध से

Q3 तुम्हें किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिले जिसे दिखाई न देता हो तो तुम उससे सुनकर, सँधकर, चखकर, छूकर अनुभव की जानेवाली चीज़ों के संसार के विषय में क्या-क्या प्रश्न कर सकते हो? लिखो।

Answer. उनके अनुभव जानने के लिए निम्नलिखित प्रश्न कर सकते हैं-किसी भी आवाज को सुनकर वे कैसे उस चीज का अनुमान लगाते हैं कि यह आवाज किसकी है? किसी भी चीज़ को चखकर वे क्या हैं और कैसा है? यह अनुभव वह कैसे कर पाते है? क्या आप किसी जानवर की आवाज़ को सुनकर उसका नाम बता सकते हैं? यह कैसे संभव हो पाता है? क्या आप सूंघकर बता सकते हैं कि यह कौन-सा फूल है? सूंघकर अच्छी और ख़राब चीजो का अंदाजा किस हद तक लगा सकते है?

Page : 83, Block Name : निबंध से

Q4 हम अपनी पाँचो इंद्रियों में से आँखों का इस्तेमाल सबसे ज़्यादा करते हैं। ऐसी चीज़ों के एहसासों की तालिका बनाओ जो तुम बाकी चार इंद्रियों से महसूस करते हो।

सुनकर

aglasem.com

चखकर

सूँघकर

छूकर

Answer.

कान	चखकर	सूँघकर	छूकर
संगीत	खाना	इत्र	आग
कविता	अचार	फूल	पानी
डाँट	खट्टा	पेट्रोल	पत्थर

Page : 83, Block Name : निबंध से

Q1 पाठ में स्पर्श से संबंधित कई शब्द आए हैं। नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं। बताओ कि किन चीजो का स्पर्श ऐसा होता है-

चिकना चिपचिपा

मुलायम खुरदरा

सख्त भुरभुर

Answer.

1. चिकना- टाइल्स
2. चिपचिपा- तेल
3. मुलायम- मखमल
4. खुरदरा- सड़क
5. सख़्त- पेड़
6. भुरभुरा- मिठाई

Page : 83, Block Name : भाषा की बात

Q2 "अगर मुझे इन चीजों को छूने भर से इतनी खुशी मिलती है,तो इनकी सुंदरता देखकर तो मेरा मन मुग्ध ही हो जाएगा"।

aglasem.com

ऊपर रेखांकित संज्ञाए क्रमशः किसी भाव और किसी की विशेषता के बारे में बता रही है। ऐसी संज्ञाए भाववाचक कहलाती है। गुण और भाव के अलावा भाववाचक संज्ञाओं का संबंध किसी की दशा और किसी कार्य से भी होता है। भाव वाचक संज्ञा की पहचान यह है कि इससे जुड़े शब्दों को हम सिर्फ महसूस कर सकते है, देख या छू नहीं सकते। आगे लिखी भाववाचक संज्ञा को पढ़ो और समझो इनमें से कुछ संज्ञा और कुछ क्रिया से बने हैं उन्हें भी पहचान कर लिखो।

Answer.

मिठास- क्रिया

भूख- संज्ञा

शांति- संज्ञा

भोलापन- क्रिया

बुढापा- संज्ञा

घबराहट- संज्ञा

बहाव- क्रिया

फुर्ती- क्रिया

ताज़गी- संज्ञा

क्रोध- संज्ञा

मजदूरी- क्रिया

अहसास- संज्ञा

Page : 83, Block Name : भाषा की बात

Q3 1. मैं अब इस तरह के उत्तरों की आदी हो चुकी हूं।

2. उस बगीचे में आम, अमलतास, सेमल आदि तरह-तरह के पेड़ थे।

ऊपर दिए गए दोनों वाक्यों में रेखांकित शब्द देखने में मिलते जुलते हैं, पर उनके अर्थ भिन्न है। नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं। वाक्य बनाकर उनका अर्थ स्पष्ट करो।

अवधि- अवधी

मैं-में

मेल- मैल

aglasem.com

ओर-और

दिन-दीन

सिल- शील

Answer.

अवधि(समय) - इस अवधि में यह कार्य संभव नही है।

अवधी(एक प्रकार की भाषा) - रामचरितमानस अवधी में लिखी गयी है।

मैं(स्वयं)- मैं अपने घर का ख्याल रखता हूँ।

में(के अंदर)- मेरे घर में बगीचा है।

मेल(मिलना)- हमने उनसे मेल मिलाप किया।

मैल(गंदगी)- सड़क के चारो तरफ मैल पड़ा हुआ था।

ओर(दिशा)- उस ओर मेरा घर सीधे हाथ पे है।

और(अलावा)- राम और श्याम घर मे अकेले थे।

दिन(तारीख़)- आज सोमवार का दिन है।

दीन(गरीब)- वह आदमी बहुत दीन था।

सिल(चट्टान)- सिल पर बैठै वो आदमी फ़ोटो ले रहा था।

शील(व्यवहार)- अक्सर उसके शील की तारीफ़ होती है।

Page : 84, Block Name : भाषा की बात

aglasem.com